

अब हर कोई होगा आनलाईन



डिजिटल दुर्गा

महिला-उद्यमियों के लिए निःशुल्क पोर्टल

कोड्सजेस्चर द्वारा चलायी गयी एक और मुहिम

क्या है डिजिटल दुर्गा?

डिजिटल दुर्गा कोड्सजेस्वर द्वारा चलाई जा रही एक ऐसी पहल है जिसमें उद्यमी महिलाएं आसानी से जाकर अपने आपको रजिस्टर कर पाएंगी। डिजिटल दुर्गा शहर का एक ऐसा पोर्टल होगा जहां पर गोरखपुर शहर की महिला उद्यमी अपने को एक बड़े प्लेटफॉर्म पर पाएंगी।

खुद कोड्सजेस्वर करेगा उनका डिजिटल उत्थान और घर की दुर्गा बनेगी डिजिटल दुर्गा। जहां आप आसानी से विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महिला उद्यमी के व्यवसाय को ढूंढकर समझ पाएंगे और साथ ही साथ उनसे जुड़ी जानकारी ले पाएंगे।

डिजिटल दुर्गा को वास्तविक रूप देने के लिए भी कोड्सजेस्वर टीम ने अंतराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को ही चुना।

क्या है समस्या?

आज के परिवेश में एक सामान्य सोच के हिसाब से उद्यम के बारे में सोचना ही समाज के समझ से परे है। अब ये सोच अगर घर की महिलाएं या लड़कियां सोचे तब तो और पहाड़ टूट पड़े। घरों में तनाव का ऐसा माहौल व्याप्त हो जाएगा मानो कोई जघन्य अपराध कर दिया हो।

समाज बदला परिवेश बदला। लोग अब अपने बेटों के साथ बेटियों को भी स्कूल भेजना और ऊंची तालीम देना प्रारम्भ किए। पर जो एक सोच उनके दिल में घर कर के बैठी है उसकी न तो किसी डॉक्टर से इलाज की और न ही समाज ने उसका उपचार किया।

वो सोच है "क्या कहेंगे लोग"। ऊंची तालीम पाकर भी जब उसके इस्तेमाल करने की सही जगह चुनी तो लोगों ने उलाहना दी। घर वालों ने नसीहत दी तो रिश्तेदारों ने ताने दिये। दोस्तों ने मजाक उड़ाया तो मोहल्ले वालों ने नुकस निकाले।

उद्यम रूपी पहाड़ से वो क्या लड़ेगी बेचारी उसके हौसले के पंखों को तो आसपास के लोगों ने कतर दिये।

आखिर कहाँ से मिली प्रेरणा?

साक्षी सिंह गोरखपुर के सूरजकुंड कालोनी की एक साधारण लड़की है। पिता राजेश्वर सिंह घर पर फल की दुकान चलते और माता सुनीता सिंह गृहणी है।
पैसे की तंगी शुरू से ही होने की वजह से साक्षी का बचपन बेहद तंगी में बीता। शुरू से पढ़ने में अक्ल रही। स्कूल में सबकी चहेती साक्षी अपने कॉलेज के दिनों में अक्सर अपने पुरानी टूटी फूटी चीजों से कुछ ऐसा बनाकर लोगों को आश्चर्य में डाल देती थी। शौक अपनी चीज होती। साक्षी ने अपनी बीए की डिग्री पूरी करके इसी सोच को उद्यम का रूप देते की परिकल्पना की।
ऐसी परिकल्पना करना ही एक मध्यमवर्गीय सोच के ऊपर से गुजरता। वो कहते हैं न कि सपना देखने वाली आंखें ही उसके वास्तविक सुख को भोग पाती। बाकी लोग तो सुनकर ही संतोष पाते। साक्षी की डगर उतनी भी आसान नहीं थी जैसा उसने सोचा था ठीक वैसा ही हुआ। घर वालों ने नसीहत दी तो रिश्तेदारों ने ताने दिये। दोस्तों ने मजाक उड़ाया तो मोहल्ले वालों ने नुक्स निकाले।

घर वालों ने साथ नहीं दिया तो उसने अपना घर छोड़ देना उचित समझा। एक छोटे से क्वार्टर में गोरखपुर के शांतिपुरम मुहल्ले किराए पर रहना शुरू किया। वहाँ से उसने अपने उद्यम की आधारशिला रखी। सुबह छोटे बच्चों को ट्यूसन पढ़ाकर उसके जो पैसे इकट्ठे होते थे उससे उसने कुछ क्राफ्ट तैयार किए। उन क्राफ्टों को शाम को जाकर अलीनगर, गोलघर व रेती के दुकानों में बेचना शुरू किया।

शुरू में सबने अपना पल्ला झाड़ा। पर किसी तरह एक दुकानदार ने कोई भी मुनाफा न देने पर तैयार हुआ। साक्षी की आँखों में चमक थी और हौसलों में आग।

वो दुष्यंत कुमार साहब का शेर हैं न।
कौन कहता है, आसमां में सुराख नहीं हो सकता,
एक पत्थर तो तबियत से उछालो यारों।

उनके शेर को चरितार्थ करती साक्षी नें जिंदगी में कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। आज उन्होने अपना क्राफ्ट हाउस खोला है। सुनीता क्रिएटर नाम से। यहाँ भी साक्षी नें अपनी माता जी के नाम से ही अपना काम शुरू किया। सुनीता क्रिएटर में साक्षी न सिर्फ अपने क्राफ्ट बेंचती है बल्कि अपने यहाँ लोगो को मुफ्त ट्रेनिंग भी देकर उन्हे रोजगार परख बनाती। आज उनके माता पिता ही नहीं बल्कि पूरे मुहल्ले वालों को भी साक्षी पर गर्व है। आज साक्षी केवल सुनीता सिंह की बेटी नहीं बल्कि पूरे मोहल्ले की बेटी है। हर माँ अपने घर में एक साक्षी ढूँढती है। आप सबमे एक साक्षी है। जरूरत है उसे खोजने की।

मिशन डिजिटल दुर्गा?

गोरखपुर शहर की महिलाओं द्वारा चलाये जा रहे लघु या मध्यम उद्योगों को डिजिटल की ताकत देना।

डिजिटल दुर्गा पोर्टल निभाएगा अपना रोल

महिला उद्यम को कहीं और खोजने की जरूरत नहीं। आपके ही घर में जरूर कोई ऐसी महिला जरूर होंगी जो अपना रोजमर्रा के खर्च निकालने के लिए भी उद्यम कर रही। जरूरत बस इसकी है कि उन्हे कोसने की जगह पर आप उन्हे प्रेरणा दीजिये आगे बढ़ने का हौसला दीजिये। साथ ही साथ उन्हे बनाइये डिजिटल दुर्गा, इसी पोर्टल के माध्यम से। पोर्टल का लक्ष्य है कि अगले 6 महीने में करीब 20000 डिजिटल दुर्गा पंजीकृत हों। हर डिजिटल दुर्गा को ये पोर्टल उनके नाम मोबाइल कार्यक्षेत्र और विवरण के साथ न सिर्फ सूचीबद्ध करेगा बल्कि उन्हे विभिन्न आईटी तकनीक से आगे ले जाने में मदद भी करेगा।

अब हर कोई होगा आनलाईन

कैसे करें निःशुल्क रजिस्टर

1. www.DigitalDurga.in पर जाएँ और "रजिस्टर करें" पर क्लिक करें।
2. दिये हुये फॉर्म को भरकर सब्मिट पर क्लिक कर दें।
3. आप सफलतापूर्वक "डिजिटल दुर्गा" बन गयी हैं।

कैसे मिलेगा लाभ?

www.DigitalDurga.in पोर्टल पर हम शहर की हजारों महिला – उद्यमियों को जगह देंगे। और साथ ही कोड्सजेस्चर खुद ही उन्हें डिजिटली प्रमोट करेगा। सहयोग करने के लिए अपने आस पास ऐसे जितनी भी महिलाएं हैं उन्हें इस पोर्टल पर रजिस्टर करें और इस महिला दिवस को बनाएँ गोरखपुर के लिए डिजिटल महिला दिवस।

संपर्क करने के लिए अभी वेबसाइट विजिट करें



www.DigitalDurga.in



www.codesgesture.com



Ground Floor, Royal House, Near MSI Inter College,
Buxipur, Gorakhpur